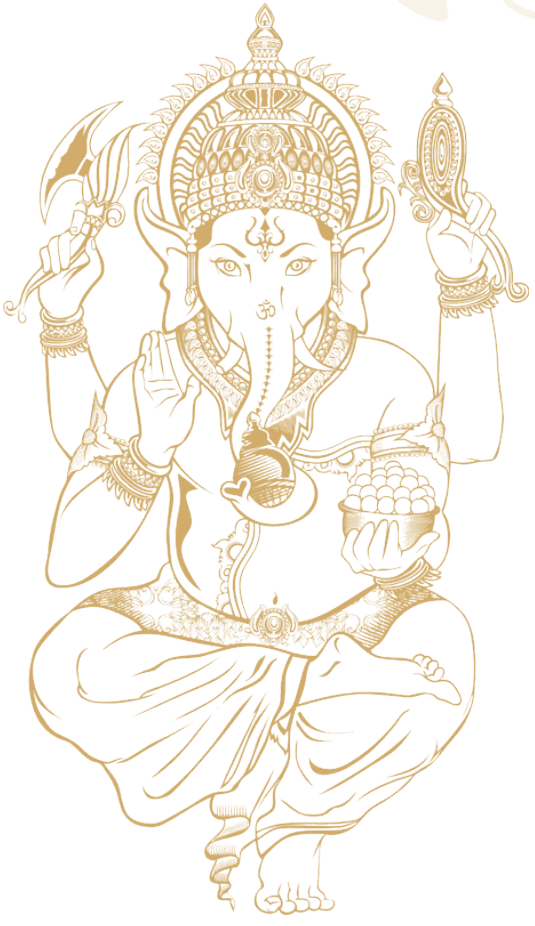

Nitish Sharma

30 Jun 2004

02:10 AM

Fazilka

Model: web-freekundliweb

Order No: 120365202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/06/2004**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**02:10:00 घंटे**
इष्ट	51:28:32 घटी
स्थान	**Fazilka**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:26:00 उत्तर
रेखांश	74:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:36:16 घंटे
वेलान्तर	-00:03:29 घंटे
साम्पातिक काल	20:09:19 घंटे
सूर्योदय	05:34:35 घंटे
सूर्यास्त	19:39:43 घंटे
दिनमान	14:05:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:29:48 मिथुन
लग्न के अंश	20:43:15 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	साध्य
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	20:43:15	448:01:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	14:29:48	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	07:34:14	14:50:09	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल			कर्क	09:51:26	00:37:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध			मिथु	27:07:49	01:57:39	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			सिंह	19:16:35	00:08:30	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
शुक्र	व		वृष	15:42:32	00:00:15	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	21:46:11	00:07:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मेष	15:41:18	00:02:59	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	15:41:18	00:02:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	12:43:58	00:00:54	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप	व		मक	21:00:16	00:01:13	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	26:30:42	00:01:29	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मक	06:13:23	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:01

लग्न-चलित

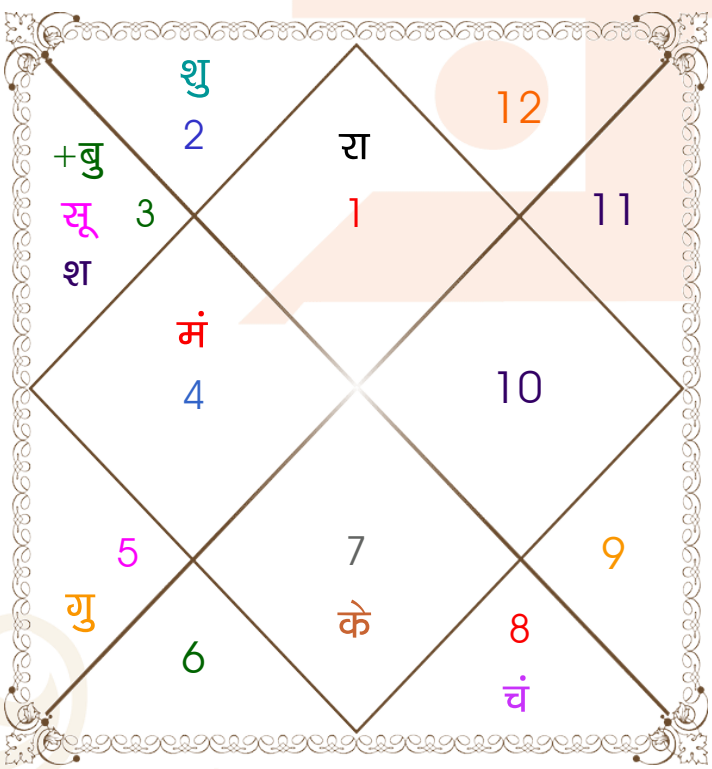

चन्द्र कुंडली

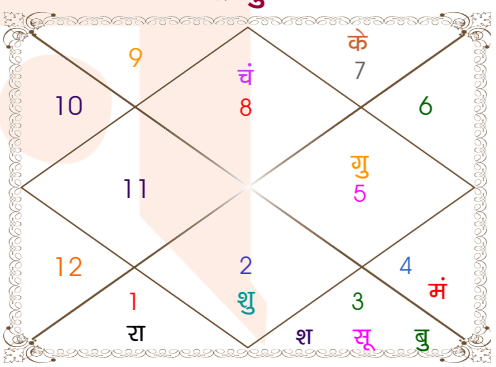

नवमांश कुंडली

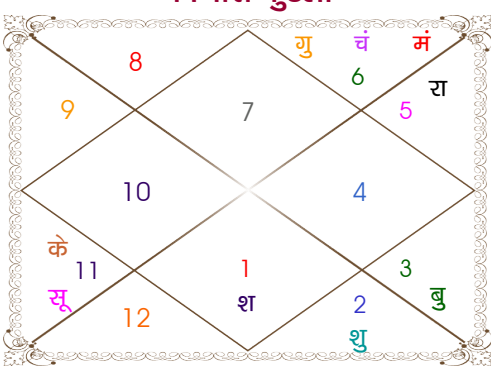

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 11 मास 16 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/06/2004		16/06/2017		16/06/2034		16/06/2041		16/06/2061	
16/06/2017		16/06/2034		16/06/2041		16/06/2061		16/06/2067	
	00/00/0000	बुध	13/11/2019	केतु	12/11/2034	शुक्र	15/10/2044	सूर्य	04/10/2061
	30/06/2004	केतु	09/11/2020	शुक्र	12/01/2036	सूर्य	16/10/2045	चंद्र	04/04/2062
केतु	07/04/2005	शुक्र	10/09/2023	सूर्य	19/05/2036	चंद्र	16/06/2047	मंगल	10/08/2062
शुक्र	07/06/2008	सूर्य	16/07/2024	चंद्र	18/12/2036	मंगल	16/08/2048	राहु	05/07/2063
सूर्य	20/05/2009	चंद्र	16/12/2025	मंगल	16/05/2037	राहु	16/08/2051	गुरु	22/04/2064
चंद्र	19/12/2010	मंगल	13/12/2026	राहु	04/06/2038	गुरु	16/04/2054	शनि	04/04/2065
मंगल	28/01/2012	राहु	01/07/2029	गुरु	11/05/2039	शनि	16/06/2057	बुध	08/02/2066
राहु	04/12/2014	गुरु	07/10/2031	शनि	19/06/2040	बुध	16/04/2060	केतु	16/06/2066
गुरु	16/06/2017	शनि	16/06/2034	बुध	16/06/2041	केतु	16/06/2061	शुक्र	16/06/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/06/2067		16/06/2077		16/06/2084		17/06/2102		17/06/2118	
16/06/2077		16/06/2084		17/06/2102		17/06/2118		00/00/0000	
चंद्र	16/04/2068	मंगल	12/11/2077	राहु	27/02/2087	गुरु	04/08/2104	शनि	20/06/2121
मंगल	15/11/2068	राहु	01/12/2078	गुरु	22/07/2089	शनि	16/02/2107	बुध	28/02/2124
राहु	17/05/2070	गुरु	06/11/2079	शनि	28/05/2092	बुध	24/05/2109	केतु	01/07/2124
गुरु	16/09/2071	शनि	15/12/2080	बुध	16/12/2094	केतु	29/04/2110		00/00/0000
शनि	16/04/2073	बुध	13/12/2081	केतु	03/01/2096	शुक्र	28/12/2112		00/00/0000
बुध	15/09/2074	केतु	11/05/2082	शुक्र	03/01/2099	सूर्य	17/10/2113		00/00/0000
केतु	17/04/2075	शुक्र	11/07/2083	सूर्य	28/11/2099	चंद्र	16/02/2115		00/00/0000
शुक्र	15/12/2076	सूर्य	16/11/2083	चंद्र	30/05/2101	मंगल	23/01/2116		00/00/0000
सूर्य	16/06/2077	चंद्र	16/06/2084	मंगल	17/06/2102	राहु	17/06/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 11 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।

Er. Vijay Shankar Sharma
4575, Sector B-5 & 6, Vasant Kunj
New Delhi-110070
9878463039, 9779763039
vijayvastu39@gmail.com